पंजाब केसरी 22-11-2024

# जी.एम.एन. कॉलेज में 2 दिवसीय अनुसंधान क्रियाविधि कार्यशाला संपन्न

*गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज में आयोजित अनुसंधान क्रियाविधि कार्यशाला में भाग लेते विद्यार्थी।* (देवदत्त)

अम्बाला, 21 नवम्बर (बलराम): छावनी स्थित गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज में प्राचार्य डा. रोहित दत्त के दिशा-निर्देशन में समाजशास्त्र विभाग द्वारा सी.आर.सी. यूनिट के सहयोग से चल रही दो दिवसीय रिसर्च मैथोडोलॉजी यानी अनुसंधान क्रियाविधि कार्यशाला वीरवार को संपन्न हो गई।

कार्यशाला में दूसरे दिन का विषय रिपोर्ट राइटिंग रहा। सी.आर.सी. यूनिट की संयोजिका डा. भारती सुजान ने कार्यशाला में भाग लेने वाले सभी विद्यार्थियों को विषय से संबंधित संक्षिप्त जानकारी देते हुए बताया कि रिपोर्ट गैर-काल्पनिक साहित्य का एक रूप है और इसका उद्देश्य तथ्यों पर ध्यान केंद्रित करते हुए यथासंभव वस्तुनिष्ठ होना है।

रिपोर्ट लेखन से किसी भी सामाजिक समस्या की जांच एवं विश्लेषण किया जा सकता है और उसका समाधान निकाला जा सकता है। रिपोर्ट लेखन का महत्व यह है कि यह कंपनी के भीतर संवाद करने यानी कर्मचारियों के साथ, व्यवसाय की समस्याओं पर चर्चा करने और निवेशकों को रोजमर्रा के कामकाज का ब्यौरा देने में मदद करती है।

एक रिपोर्ट तब अच्छी हो सकती है, जब उसे उचित संचार और लिखित संचार के तरीके से लिखा जा सके। समाज शास्त्र की विभागाध्यक्ष प्रो. मनदीप कौर ने बताया कि रिपोर्ट लेखन एक निर्णय लेने वाले उपकरण के रूप में कार्य करता है जो तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर निर्णय लेने में आपकी सहायता कर सकता है।

कॉलेज के प्राचार्य डा. रोहित दत्त ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि रिपोर्टिंग, लेखन दस्तावेजीकरण का रिकॉर्ड बनाने के लिए बहुत मददगार होता है।

उन्होंने सभी विद्यार्थियों को अपने-अपने विषयों के असाइनमैंट्स में कार्यशाला के दौरान रिपोर्ट राइटिंग के बारे में सीखी गई बातों का ध्यान रखने के लिए प्रेरित किया। कार्यशाला में लगभग 45 से भी अधिक विद्यार्थी लाभान्वित हुए। डा. सरोज बाला, प्रो. शिवानी निझावन, प्रो. सृष्टि कपूर, प्रो. अर्चना जैन ने कार्यशाला के संचालन में अहम भूमिका निभाई।